

This question paper contains **2** printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : **4822**

Unique Paper Code : **6967000029**

Name of the Paper : **The Gita for Holistic Life**

Name of the Course : **VAC**

Semester : **II/IV**

Duration : **1 Hour**

Maximum Marks : **30**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written either in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए; परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Question No. 1 is compulsory.

Attempt any *two* out of the remaining three questions.

प्रथम प्रश्न अनिवार्य है ।

शेष तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर लिखिए ।

1. Write short notes on any *two* of the following :

5+5=10

(a) Know Thyself and Self-discovery (Atma-gyana)

P.T.O.

- (b) Yogah Karmasu Kaushalam
- (c) Sattvika, Rajasika and Tamasika Qualities
- (d) Shravana, Manana, Nididhyasana.

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

- (a) आत्मज्ञान और आत्म-खोज
- (b) योगः कर्मसु कौशलम्
- (c) सात्त्विक, राजसिक और तामसिक गुण
- (d) श्रवण, मनन, निदिध्यासन ।

2. Explain the concept of Samattva Yoga and its importance in daily life. 10
समत्व योग की अवधारणा और दैनिक जीवन में उसके महत्त्व को समझाइए ।
3. Examine the role of family and society as the field of action in the Gita. 10
गीता में परिवार और समाज को कर्मक्षेत्र के रूप में कैसे देखा गया है, इसका परीक्षण कीजिए।
4. Compare Karma Yoga and Jnana Yoga as paths to self-realization. 10
आत्म-साक्षात्कार के मार्ग के रूप में कर्म योग और ज्ञान योग की तुलना कीजिये ।